भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1151
5/12/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश में बढ़ता हुआ लू का प्रकोप

1151. श्री राजीव शुक्ला:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में लू की बढ़ती संख्या का संज्ञान लिया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त संकट के संबंध में अनुकूलन और शमन दोनों को सुनिश्चित करने के लिए किये जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) इस संबंध में किये जाने वाले प्रस्तावित उपाय क्या हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान भारतीय क्षेत्र में प्रेक्षित किए गए लू वाले दिनों की संख्या का विवरण अनुलग्नक-1 में दिया गया है।

(ग-घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा आम जनता पर लू के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (NDMA) और स्थानीय स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश के कई हिस्सों में हीट एक्शन प्लान (HAP) शुरू किया है, ताकि लू के बारे में अग्रिम में चेतावनी दी जा सके और साथ ही, ऐसी स्थितियों के दौरान की जाने वाली कार्रवाई के बारे में परामर्श दिया जा सके। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) ने श्रमिकों पर लू के प्रभाव को कम करने के लिए दिशानिर्देश भी तैयार किए हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा लू पूर्वानुमान तथा चेतावनी सूचना संघ सरकार के सभी मंत्रालयों, राज्य सरकारों, तथा स्थानीय सरकारी निकायों समेत सभी हितधारकों को प्रदान की जाती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) आम जनता एवं आपदा प्रबन्धन प्राधिकरणों के लिए विभिन्न आउटलुक/पूर्वानुमान/चेतावनियां जारी करता है, ताकि वे लू समेत चरम मौसमी घटनाओं से बचाव के लिए तैयारी कर सकें। चेतावनी जारी करते समय, किसी संभावित प्रतिकूल मौसम के प्रभाव पर प्रकाश डालने, तथा आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को आसन्न आपदा मौसम घटना के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में संकेत देने के लिए उपयुक्त कलर कोड का उपयोग किया जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) पहले से तैयारी करने के लिए अग्रिम में जरूरी चेतावनी एवं परामर्शिकाएं जारी करता है। इन सभी वास्तविक समय उत्पादों को वेबसाइट, एपीआई, कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल (CAP), व्हाट्सएप और ई-मेल का उपयोग करके सभी उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाया गया। ग्रीष्म ऋतु आरंभ होने से काफी पहले ही राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की लू तैयारी संबंधी विभिन्न बैठकें आयोजित की जाती हैं, तथा ऋतु के दौरान समय-समय पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित होती हैं।

अनुलग्नक -1

पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतीय क्षेत्र में प्रेक्षित किए गए लू वाले दिनों की संख्या का विवरण:

क्षेत्र	2022	2023	2024
असम एवं मेघालय	0	0	1
एनएमएमटी	0	0	0
एसएचडब्ल्यूबी एवं सिक्किम	1	15	11
गंगेय पश्चिम बंगाल	8	27	31
ओडिशा	11	24	37
झारखंड	27	16	23
बिहार	13	29	30
पूर्वी उत्तर प्रदेश	33	11	33
पश्चिमी उत्तर प्रदेश	28	5	32
उत्तराखण्ड	5	0	10
हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली	37	5	30
पंजाब	22	3	27
हिमाचल प्रदेश	38	0	18
जम्मू एवं कश्मीर एवं लद्दाख	19	0	11
पश्चिमी राजस्थान	58	3	29
पूर्वी राजस्थान	28	0	23
पश्चिमी मध्य प्रदेश	42	4	24
पूर्वी मध्य प्रदेश	34	13	26
गुजरात क्षेत्र	13	1	14
सौराष्ट्र एवं कच्छ	25	4	16
कोंकण एवं गोवा	2	6	4
मध्य महाराष्ट्र	2	1	8
मराठवाड़ा	0	0	3
विदर्भ	18	11	11
छत्तीसगढ़	3	12	13
तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम	0	22	11
तेलंगाना	0	14	12
रायलसीमा	0	1	16
तमिलनाडु, पुदुच्चेरी एवं कराईकल	0	1	13
तटीय कर्नाटक	0	2	3
एन.आई कर्नाटक	0	0	18
एस.आई कर्नाटक	0	0	10
केरल एवं माहे	0	0	6
लू वाले दिनों की कुल संख्या	**467**	**230**	**554**

****